एग्री आर्टिकल्स
(कृषि लेखों के लिए ई-पत्रिका)
वर्ष: 04, अंक: 05 (सितंबर-अक्टूबर, 2024)
www.agriarticles.com पर ऑनलाइन उपलब्ध
© एग्री आर्टिकल्स, आई. एस. एस. एन.: 2582-9882

कीटनाशी रसायन की वांछित मात्रा निकालने के तरीके एवं धान, अरहर तथा सोयाबीन में कीट प्रबंधन

(*डॉ. रोशन कुमार भारद्वाज, डॉ. गौतम प्रसाद भास्कर एवं डॉ. दुश्यंत कुमार कौशिक)
सहायक प्राध्यापक, कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, कटघोरा, कोरबा (छ.ग.)
(इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर, छतीसगढ़, भारत)
*संवादी लेखक का ईमेल पता: drroshanbharadwaj@gmail.com

किसान साथियों द्वारा खेत मे लगी फसल के लिए कीट प्रबंधन हेतु रासायनिक कीटनाशक का सही मात्रा मे उपयोग करना एक बहुत ही बड़ा एवं जटिल कार्य है। ऐसे मे यदि कीटनाशक का पर्याप्त अनुपात मे उपयोग नहीं करने पर फसल पर विपरित प्रभाव पड़ता है। साधारण सांख्यिकी सुत्र का उपयोग करते हुए कीटनाशक सही समय, सही मात्रा एवं सही विधि का उपयोग करके कीट नियंत्रण किया जा सकता है।

निम्नांकित सांख्यिकी विधियों से सरलता पुर्वक किया जा सकता है:–

1. कीटनाशक की इच्छित मात्रा निकालना:– यदि उपलब्ध कीटनाशक का सक्रिय तत्व और छिड़काव घोल का प्रतिशत मालूम हो तो निम्न सूत्र द्वारा कीटनाशक की वांछित मात्रा मालूम की जा सकती है।

$$\text{कीटनाशक की मात्रा} = \frac{\text{छिड़काव घोल का प्रतिशत} \times \text{छिड़काव घोल की मात्रा}}{\text{कीटनाशक का सक्रिय तत्व}}$$

2. बने हुए कीटनाशक घोल की प्रतिशत निकालना :– यदि कीटनाशक की मात्रा सक्रिय तथा घोल की मात्रा ज्ञात हो तो घोल का ाक्ति (प्रतिशत) सान्द्रता मालूम की जा सकती है।

$$\text{घोल का } \textbf{शक्ति} \text{ (प्रतिशत)} = \frac{\text{कीटनाशक की मात्रा} \times \text{कीटनाशक का सक्रिय तत्व}}{\text{बने हुए कीटनाशक घोल की मात्रा}}$$

3. सक्रिय तत्व के आधार पर चूर्ण एवं दानेदार कीटनाशक की मात्रा निकालना :– यदि प्रति हेक्टेयर कीटनाशक के सक्रिय तत्व की मात्रा ज्ञात हो तो उपलब्ध कीटनाशक की मात्रा निम्न सूत्र से ज्ञात किया जा सकता है।

$$\text{कुल दवा की मात्रा जो निकालना है} = \frac{100 \times \text{कीटनाशक की अनुशंसित मात्रा} \times \text{क्षेत्रफल (हेक्टेएर)}}{\text{कीटनाशक की बाजार मे उपलब्ध सांद्रता (:)}}$$

घान मे लगने वाले प्रमुख कीट एवं रासायनिक कीटनाशी की मात्रा:–

क	कीट	रासायनिक कीटनाशी	कीटनाशी की मात्रा/ हे.
1	तनाछेदक	कार्बोफूरॉन 3 जी	33 किलो
		फोरेट 10 जी	10 किलो
		फिपरोनिल 0.3 जी	25 किलो
		मोनोक्रोटोफास 36 :	1100–1500 मि.ली.
		क्लोरपायरिफास 20 :	2000–2500 मि.ली.
2	गंगई	कार्बोफूरॉन 3 जी	33 किलो
		फोरेट 10 जी	10 किलो

		फिपरोनिल 0.3 जी	25 किलो
3	माहो सफेद एवं भूरा	कार्बोफूरॉन 3 जी	33 किलो
		फोरेट 10 जी	10 किलो
		मोनोक्रोटोफास 36 :	1100–1500 मि.ली.
		इमिडाक्लोप्रिड 20:	75–125 मि.ली.
		फिपरोनिल 5 :	600 मि.ली.
4	चितरी	मोनोक्रोटोफास 36 :	850 मि.ली.
		क्लोरपायरिफास 20 :	1500 मि.ली.
		फिपरोनिल 5 :	800 मि.ली.
5	बंकी	क्विनालफास 25 ई.सी.	800 मि.ली.
6	कटुआ	क्लोरपायरिफास 20 :	2500 मि.ली.
		डायक्लोरोवास 80 :	600 मि.ली.
7	गंधी बग	कार्बारिल पावडर	30 किलो

अरहर एवं उड़द :–

क	कीट	रासायनिक कीटनाशी	कीटनाशी की मात्रा/ हे.
1	भृंग, तम्बाखु इल्ली, कम्बल कीट	क्विनालफास 25 ई.सी.	1000 मि.ली.
2	माहो, सफेद मक्खी	डायमिथोएट 30 ई.सी.	750 मि.ली.
		मिथाइल डेमेटान 25 ई.सी.	625 मि.ली.

सोयाबीन :–

क	कीट	रासायनिक कीटनाशी	कीटनाशी की मात्रा/ हे.
1	लीफ विविल	क्विनालफास 25 ई.सी.	1000 मि.ली.
2	तना छेदक/मक्खी	क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 18.5 एस. सी.	150 मि.ली.
		इथिओन 50 ई.सी.	1500 मि.ली.
		थायमिथोक्सम 12.6 : लेम्डासायहेलोथ्रिन 9.50: जेड. सी.	125 मि.ली.
3	फल्ली बेदक	क्विनालफास 1.50 डी.पी.	250 ग्राम
		इमामेक्टिन बेंजोएट 1.90 ई.सी.	425 मि.ली.
4	लीफ वर्म	क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 9.30: लेम्डासायहेलोथ्रिन 4.60: जेड. सी.	200 मि.ली.
		आयसोसायक्लोसेरम 9.2 : ॅ क्ब ;10ॅध्अद्धक्ब	600 मि.ली.
		कर्ताफ हायड्रोक्लोराइड 4: फिपरोनिल 0.5 :	200 मि.ली.
5	सेमीलूपर	क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 18.50 एस. सी.	150 मि.ली.
		इमामेक्टिन बेंजोएट 1.90 ई.सी.	425 मि.ली.
		फ्लुबेंडियामाइड 20 डब्लु. जी.	250–300 ग्राम
		इंडोक्साकार्ब 15.80 ई.सी.	333 मि.ली.
		प्रोफेनोफास 50 ई.सी.	1000 मि.ली.
6	भृंग	क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 18.5 एस. सी.	150 मि.ली.
		इमामेक्टिन बेंजोएट 1.90 ई.सी.	425 मि.ली.
		इथिओन 50 ई.सी.	1500 मि.ली.
		प्रोफेनोफास 50 ई.सी.	1000 मि.ली.
		टेट्रानिलिप्रोल18.18 एस.सी.	250–300 मि.ली.
		थायक्लोरोप्रिड 21.7 एस.सी.	750 मि.ली.
7	तम्बाकू की इल्ली	एसिटामिप्रि 25: बायफेन्थ्रिन 25: ॅळ	250 ग्राम

स्रोत

1. कृषि दर्शिका 2014, इं.गां. कृ.वि. रायपुर (छ.ग.)
2. सोयाबीन कृषको के लिए उपयोगी सलाह 2024, भा.कृ.अ.प.– भरतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, खण्डवा रोड, इन्दौर